जनता कॉलेज बकेवर इटावा मैं कृषि रसायन विभाग के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर गोविंद कुमार अग्रवाल की स्मृति में उनकी पत्नी श्रीमती निर्मला अग्रवाल एवं उनके पुत्र प्रशांत कुमार अग्रवाल ने ₹35000 की एक साहिवाल गाय एवं रुपया 5000 राशन के लिए जनता कॉलेज बकेवर को दान किया|

पूर्व प्रोफेसर की स्मृति में परिजनों ने साहिवाल गाय व बछिया दान दी

युवराज सिंह चौहान

बकेवर (इटावा)। जनता कॉलेज बकेवर के पूर्व प्रोफेसर के परिवारी जनों ने उनकी स्मृति पर मकर संक्रांति के अवसर पर कॉलेज को एक साहिवाल गाय व बछिया दान में दी। गाय व बछिया के चारा आदि के लिए भी 5हजार की धनराशि भी साथ मे दान में दी है।

जनता कालेज बकेवर में कृषि रसायन विभाग में प्रोफेसर रहे में डा. गोविंद कुमार अग्रवाल निवासी अजीतमल जनपद औरैया की स्मृति में उनकी पत्नी श्रीमती निर्मला अग्रवाल व पुत्र प्रशांत अग्रवाल ने मकर संक्रांति के अवसर पर सोमवार को बकेवर जनता महाविद्यालय आकर एक साहिवाल गाय खरीद कर कॉलेज प्रशासन को दान में दी पूर्व प्रोफेसर के परिवारीजनों ने चकरनगर क्षेत्र के ग्राम बछेड़ी से एक साहिवाल गाय 35 हजार मूल्य की खरीद कर लाकर जनता कॉलेज बकेवर के प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी व कॉलेज के डेरी विभाग के प्रभारी डा. आदित्य कुमार को डेरी में गाय दान स्वरूप प्रदान की। उनकी पत्नी निर्मला

अग्रवाल ने बताया कि उनके पति इसी कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर तैनात रहे वर्ष 2020 में अचानक उनका निधन हो गया था उनकी स्मृति को सजोय रखने के लिए उन्होंने मकर संक्रांति के अवसर पर कॉलेज के डेरी विभाग को एक गए दान में दी है जिससे उनकी स्मृति को हमेशा जीवित रखा जा सके। इस मौके पर समाजसेवी राजेन्द्र कुशवाह, डॉ. डीजे मिश्रा, अश्वनी दीक्षित, शिव मोहन अग्निहोत्री,कुलदीप अवस्थी, पवन सक्सैना, सोनू त्रिपाठी, आकाश चौधरी मौजूद रहे।

पशु प्रदर्शनी में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले पशु पालक हुए पुरस्कृत

युवराज सिंह चौहान

बकेवर (इटावा)। जनता कॉलेज बकेवर में लगी पशु प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालको को पुरस्कार किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ के डॉ. सूर्यकान्त द्वारा वितरित किये गए।

जमुनापारी बकरी में नृपेन्द्र त्रिपाठी बछेड़ी की बकरी को प्रथम, अमित कुमार बकेवर को द्वितीय व भारत सिंह चंदपुरा की बकरी को तृतीय पुरुस्कार मिला वही जमुनापारी बकरा में उत्कर्ष त्रिपाठी बछेड़ी को प्रथम व बालकराम बछेड़ी को द्वितीय तथा सांत्वना पुरस्कार गीतम सिंह बकेवर व अनिल कुमारचन्द्रपुरा को मिला बरबरी बकरी में विकास त्रिपाठी चकरनगर का बकरा प्रथम रहा। प्रथम पुरस्कार पाने वालों को दूध की बड़ी बाल्टी तथा किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ के डॉ. सूर्यकान्त द्वारा वितरित किये गए। द्वितीय पुरस्कार पाने वालों को दूध की छोटी बाल्टी तथा तृतीय स्थान पाने वालों को दूध का बड़ा डब्बा और सांत्वना पुरस्कार पाने वालों को दूध का छोटा डब्बा प्रदान किया गया। सभी को पुरुस्कार इस अवसर पर डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी, डॉ. ए.के. पाण्डेय, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. आशीष त्रिपाठी, डा. अभिषेक प्रताप सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनता कालेज में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी

तीन दर्जन स्टॉल लगाकर किसानों को किया गया जागरूक

स्टॉलों का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि।

बकेवर (इटावा) 28 जनवरी। जनता कॉलेज बकेवर में कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आज उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्रगतिशील किसान अमर सिंह, मुख्य अतिथि उपनिदेशक कृषि, इटावा डॉ आर एन सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला उद्यान अधिकारी, डॉ श्याम सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र, इटावा के कृषि वैज्ञानिक डॉ भूपेंद्र सिंह, प्रगतिशील किसान चंद मोहन यादव, कॉलेज प्रबंधन समिति के सेक्रेटरी अरविंद मिश्र, कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी, कार्यक्रम के संयोजक डॉ एमपी सिंह, कृषि संकाय के डीन डॉ ए के पांडेय एवं कृषि ज्ञान पत्रिका के संपादक डॉ मनोज यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजली कर दीपदान करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का किसान मेला संगोष्ठी में स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ एम पी सिंह ने किसान मेला के उद्देश्य को बताया तथा किसान मेला एवं प्रदर्शनी की रूपरेखा को क्रमबद्ध ढंग से बताते हुए रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से मनुष्य, पशु व भूमि बीमार हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है, इसलिए वर्तमान में जैविक खेती की महत्ता बढ़ जाती है। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में अमर सिंह ने किसान मेला एवं पशु प्रदर्शनी के महत्व को साझा तथा कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए मेले में आए हुए किसानों को विभिन्न प्रकार तकनीकियों से उनकी आय को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर एन सिंह ने परंपरागत खेती, जैविक खेती तथा रसायनों के प्रयोग से होने वाले रोगों के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। कॉलेज के प्रबंधतंत्र के सेक्रेटरी अरविंद मिश्रा ने जैविक खेती एवं कृषि मेले का इस क्षेत्र में महत्व को बताया तथा इस आयोजन के लिए कृषि विभाग का धन्यवाद दिया।

विशिष्ट अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र इटावा के वैज्ञानिक डॉ भूपेंद्र सिंह ने गोबर की खाद को कैसे बनाएं तथा प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती की तुलना करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती में खेतों में प्रकृतिक जीव जो जमीन में पाए जाते हैं उनको बढ़ाने के लिए जीवामृत को भूमि में मिलना होगा। जीवामृत बनाने की विधि को विस्तार से बताया तथा उसके उपयोग के लिए कहा कि इसको खड़ी फसल में छिड़काव करके या सिंचाई के साथ दे सकते हैं। उन्होंने बीजामृत को बनाने के लिए कहा कि 20 लीटर पानी, गोमूत्र, गोबर, चूना, बरगद या पीपल के पेड़ के नीचे की 50 ग्राम मिट्टी से बने बीजामृत से 100 किलोग्राम बीज का उपचार कर सकते हैं। उन्होंने केंचुए की खाद के बारे में बताया कि आज रोटावेटर की जुताई करने से केंचुए की संख्या कम होती है जो मृदा के उर्वरकता के लिए महत्वपूर्ण मित्र है। जीवामृत को प्रयोग करने से केंचुए की संख्या बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कीट प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रकार के कीटनाशी दवाव एवं कीटों को पहचानने के तरीके को बताया। जिला उद्यान अधिकारी डॉ श्याम सिंह ने उद्यान से संबंधित विभिन्न योजनाओं को बताया तथा उनसे मिलने वाली सब्सिडी को भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने 'वन ड्रॉप मोर क्राप' योजना के लाभ को विस्तृत से बताया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के डीन डॉ अशोक कुमार पांडेय ने भूमि की उर्वरा शक्ति क्षीण होने के कारण एवं उद्यानिकी में जैविक खेती के महत्व को बताया। कार्यक्रम में डॉ मनोज यादव ने फसल सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी तथा बीज शोध एवं बीज चुनाव में होने वाली कमियां, सावधानियां तथा उनके उपायों की विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ नवीन अवस्थी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक डॉ एमपी सिंह ने किया। कृषि विज्ञान प्रदर्शनी जैविक किसान मेला एवं पशु प्रदर्शनी के कॉलेज प्रांगण में 36 स्टाल लगाए गए जिसमें विभिन्न विभागों के विभिन्न आकर्षक केंद्र बने रहे। पादप रोग विज्ञान विभाग स्टाल में मशरूम प्रदर्शनी एवं खेतों को कैसे पहचाना जाए उसके उपकरण को दिखाकर तथा विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में प्रदर्शित किया गया। शस्य विज्ञान विभाग के स्टाल में विभिन्न प्रकार की गेहूं, जौ की प्रजातियां को किसानों को दिखाने के लिए प्रदर्शित किया गया तथा उनकी पैदावार बढ़ाने के लिए विभिन्न शस्य विज्ञान की पद्धतियों के चार्ट दिखाए गए। उद्यान विभाग के स्टाल में विभिन्न प्रकार के फलों, आलू के प्रजातियां, विभिन्न प्रकार के उत्पाद तथा फूलों एवं भंडारण की विधि का मॉडल बनाकर प्रदर्शित किया गया। मेले में कृषक प्रशिक्षण केंद्र, पंजाब नेशनल बैंक के द्वारा भी स्टॉल लगाया गया। कॉलेज की लाइब्रेरी का भी स्टॉल लगाया गया जिसमें विभिन्न वेद, पुराण, ग्रंथ तथा संविधान की प्रति को भी दिखाया गया।

पशुओं को चारे के साथ खड़िया व नमक भी दें

संवाद न्यूज एजेंसी

जनता कॉलेज बकेवर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग। संवाद

बकेवर। पशुओं को रोगों से बचाने के लिए कैल्शियम (खड़िया) व सोडियम (नमक) का प्रयोग चारे के साथ कराना चाहिए। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय कुमार मिश्रा ने ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम में यह बात कही।

पशुधन प्रसार अधिकारी डॉ.अनिल वीर सिंह चौहान ने खुरपका-मुंह पका एवं गला घोंटू आदि रोगों के बचाव एवं निदान, सहायक कृषि विकास अधिकारी दिलीप कुमार ने विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बताया कि रबी फसलों के बीजों जैसे गेहूं, जौ का 50 प्रतिशत छूट पर उन्नतशील प्रजातियों का बीज कृषि विभाग के जरिए उपलब्ध कराया जाता है।

कृषि यंत्रीकरण, एग्री जंक्शन, किसान सम्मान निधि, पीएम प्रणाम योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, आत्मा योजना के अंतर्गत किसान भ्रमण कार्यक्रम, एनएफएसएम योजना, पराली प्रबंधन, जैविक खेती एवं पीएम फसल बीमा योजना के बारे में बताया।

जनता कॉलेज में हुआ ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक मदन सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड एवं एजुकेशन लोन के साथ-साथ खाते की महत्ता के बारे में जानकारी दी। डॉ.डीएन सिंह ने फसल सुरक्षा और कीट प्रबंधन पर अपने विचारों को साझा किया। डॉ. संजीव ने उद्यानिकी के लाभ एवं नर्सरी प्रबंधन के बारे में बताया कि किसानों की आय बढ़ोतरी के लिए उद्यानिकी फसलों का उगाना एवं पौध का बेचना लाभकारी होता है।

जनता कॉलेज में दो दिवसीय किसान गोष्ठी व पशु प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

चेतना कार्यालय

बकेवर। जनता कॉलेज बकेवर में कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आज उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्रगतिशील किसान अमर सिंह, मुख्य अतिथि उपनिदेशक कृषि, इटावा डॉ आर एन सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला उद्यान अधिकारी, डॉ श्याम सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र, इटावा के कृषि वैज्ञानिक डॉ भूपेंद्र सिंह, प्रगतिशील किसान चंद मोहन यादव, कॉलेज प्रबंधन समिति के सेक्रेटरी अरविंद मिश्रा, कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी, कार्यक्रम के संयोजक डॉ एमपी सिंह, कृषि संकाय के डीन डॉ ए के पांडेय एवं कृषि ज्ञान पत्रिका के संपादक डॉ मनोज यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजली कर दीपदान करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का किसान मेला संगोष्ठी में स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ एम पी सिंह ने किसान मेला के उद्देश्य को बताया तथा किसान मेला एवं प्रदर्शनी की रूपरेखा को क्रमबद्ध ढंग से बताते हुए रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से मनुष्य, पशु व भूमि बीमार हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है, इसलिए वर्तमान में जैविक खेती की महत्ता बढ़ जाती है। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में अमर सिंह ने किसान मेला एवं पशु प्रदर्शनी के महत्व को सराहा तथा कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए मेले में आए हुए किसानों को विभिन्न प्रकार तकनीकियों से उनकी आय को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर एन सिंह ने परंपरागत खेती, जैविक खेती तथा रसायनों के प्रयोग से होने वाले रोगों के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। उन्होंने एम पी सिंह ने किसान मेला के उद्देश्य को बताया तथा किसान मेला एवं प्रदर्शनी की रूपरेखा को क्रमबद्ध ढंग से बताते हुए रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से मनुष्य, पशु व भूमि बीमार हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है, इसलिए वर्तमान में जैविक खेती की महता बढ़ जाती है। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में अमर सिंह ने किसान मेला एवं पशु प्रदर्शनी के महत्व को सराहा तथा कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए मेले में आए हुए किसानों को विभिन्न प्रकार तकनीकियों से उनकी आय को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर एन सिंह ने परंपरागत खेती, जैविक खेती तथा रसायनों के प्रयोग से होने वाले रोगों के बारे में विस्तृत से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक देसी गाय से एक एकड़ जैविक खेती की जा सकती है। गोमूत्र एवं गोबर खाद के महत्व को बताया तथा कहा कि गोमूत्र से कीट एवं रोगों का भी प्रबंध कर सकते हैं खेत मे हरी खाद, गोबर की खाद एवं कंपोस्ट को बनाने तथा खेत में मिलाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि जो किसान जैविक खेती करना चाहते हैं, वह जैविक खेती करें मेरे विभाग द्वारा उनको दो साल बाद जैविक खेती का प्रमाण पत्र दे दिया जाएगा। उन्होंने मोटे अनाज जैसे मडुवा, कोदो, रागी, सावां, ज्वार, बाजरा आदि के महत्व को भी समझाया। कॉलेज के प्रबंधतंत्र के सेक्रेटरी अरविंद मिश्रा ने जैविक खेती एवं कृषि मेले का इस क्षेत्र में महत्व को बताया तथा इस आयोजन के लिए कृषि विभाग का धन्यवाद दिया।

पूर्व प्रोफेसर की स्मृति में परिजनों ने दान में दी साहिवाल गाय व बछिया

चेतना कार्यालय

बकेवर। जनता कॉलेज बकेवर के पूर्व प्रोफेसर के परिवारी जनों ने उनकी स्मृति पर मकर संक्रांति के अवसर पर कॉलेज को एक साहिवाल गाय व बछिया दान में दी। गाय व बछिया के चारा आदि के लिए भी 5 हजार की धनराशि भी साथ मे दान में दी है। जनता कालेज बकेवर में कृषि रसायन विभाग में प्रोफेसर रहे में डॉ गोविंद कुमार अग्रवाल निवासी अजीतमल जनपद औरैया की स्मृति में उनकी पत्नी श्रीमती निर्मला अग्रवाल व पुत्र प्रशांत अग्रवाल ने मकर संक्रांति के अवसर पर सोमवार को बकेवर जनता महाविद्यालय आकर एक साहिवाल गाय खरीद कर कॉलेज प्रशासन को दान में दी पूर्व प्रोफेसर के परिवारीजनों ने चकरनगर क्षेत्र के ग्राम बछेड़ी से एक साहिवाल गाय 35 हजार मूल्य की खरीद कर लाकर जनता कॉलेज बकेवर के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी व कॉलेज के डेरी विभाग के प्रभारी डॉ आदित्य कुमार को डेरी में गाय दान स्वरूप प्रदान की। उनकी पत्नी निर्मला अग्रवाल ने बताया कि उनके पति इसी कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर तैनात रहे वर्ष 2020 में अचानक उनका निधन हो गया था उनकी स्मृति को सजोय रखने के लिए उन्होंने मकर संक्रांति के अवसर पर कॉलेज के डेरी विभाग को एक गए दान में दी है जिससे उनकी स्मृति को हमेशा जीवित रखा जा सके। इस मौके पर समाजसेवी राजेन्द्र कुशवाह, डॉ डीजे मिश्रा, अश्वनी दीक्षित, शिव मोहन अग्निहोत्री, कुलदीप अवस्थी, पवन सक्सैना, सोनू त्रिपाठी, आकाश चौधरी मौजूद रहे।

कृषि क्षेत्र में तरक्की हो गई तो विकसित होगा देश

संवाद सूत्र बकेवर : जनता कालेज एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी में जैविक किसान मेला, किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का समापन गुरुवार को हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि कालेज के पूर्व छात्र कैलिफोर्निया सैन डिएगो विश्वविद्यालय, अमेरिका के प्रोफेसर विपिन कुमार चतुर्वेदी ने कालेज की व्यवस्था देखी तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना मदन मोहन मालवीय के विचारों व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि केजीएमयू लखनऊ के औशन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकांत ने जिले की धरती को नवाचार की जननी बताते हुए कालेज की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे डाक्टर, इंजीनियर, अधिकारी बने लेकिन अभिभावक जिस दिन चाहेंगे कि हमारे बच्चे कृषि क्षेत्र में भी पीछे न रहें तो हमारा देश जरूर विकसित होगा।

पंजाब नेशनल बैंक किसान प्रशिक्षण केंद्र सैफई के निदेशक विपिन यादव ने बताया कि 2005 में किसान प्रशिक्षण केंद्र स्थापित हुआ था। जो किसानों व महिला सशक्तिकरण एवं छात्रों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण कराता है। उन्होंने बताया कि तीन लाख महिलाओं का प्रशिक्षण कराया गया है।

जनता कालेज में आयोजित कृषि मेले का निरीक्षण करते बाएं से प्रो. विपिन कुमार चतुर्वेदी, डा. सूर्यकांत • जागरण

प्रदर्शनी में उद्यान विभाग ने पाया पहला स्थान

जैविक कृषि प्रदर्शनी में कृषि संकाय में प्रथम स्थान पर उद्यान विभाग एवं पादप रोग विज्ञान विभाग, द्वितीय स्थान पर शस्य विज्ञान विभाग, कृषि वनस्पति विभाग एवं कृषि प्रसार विभाग, तृतीय स्थान पर पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग मृदा संरक्षण विभाग मृदा विज्ञान एवं मृदा रसायन विज्ञान विभाग तथा सांत्वना पुरस्कार शारीरिक शिक्षा एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग का रहा। विज्ञान संकाय में प्रथम स्थान पर वनस्पति विज्ञान एवं जंतु विज्ञान विभाग, द्वितीय स्थान पर कंप्यूटर विज्ञान एवं रसायन एवं औद्योगिक रसायन विभाग तथा तृतीय स्थान पर गणित विभाग एवं भौतिक विभाग रहा। प्रबंध समिति के सेक्रेटरी अरविंद मिश्रा, किसान मेले के संयोजक डा. एमपी सिंह, प्रगतिशील किसान चंद मोहन यादव, किसान अमर सिंह एवं लालाराम दोहरे इनके अलावा नीरजा चौधरी, डा. नलिनी शुक्ला, डा. एके पांडेय, मनोज यादव, डा. नलिनी शुक्ला उपस्थित रहे।

राष्ट्र पटल
इटावा, गुरुवार 29 फरवरी 2024

जनता कालेज में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी में स्टॉल लगाकर किसानों को किया गया जागरूक

युवराज सिंह चौहान

बकेवर (इटावा)। जनता कॉलेज बकेवर में कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी, जैविक किसान मेला किसान गोष्ठी एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आज उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता, प्रगतिशील किसान अमर सिंह, मुख्य अतिथि उपनिदेशक कृषि, इटावा डॉ. आरएन सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला उद्यान अधिकारी, डा. श्याम सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र, इटावा के कृषि वैज्ञानिक डा. भूपेंद्र सिंह, प्रगतिशील किसान चंद्र मोहन यादव, कॉलेज प्रबंधन समिति के सेक्रेटरी अरविंद मिश्रा, कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एमपी सिंह, कृषि संकाय के डीन डा. एके पांडेय एवं कृषि ज्ञान पत्रिका के संपादक डॉ मनोज यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजली कर दीपदान करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का किसान मेला संगोष्ठी में स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ एम पी सिंह ने किसान मेला के उद्देश्य को बताया तथा किसान मेला एवं प्रदर्शनी की रूपरेखा को क्रमबद्ध ढंग से बताते हुए रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से मनुष्य, पशु व भूमि बीमार हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है, इसलिए वर्तमान में जैविक खेती की महत्ता बढ़ जाती है। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में अमर सिंह ने किसान मेला एवं पशु प्रदर्शनी के महत्व को सराहा तथा कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए मेले में आए हुए किसानों को विभिन्न प्रकार तकनीकियों से उनकी आय को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. आरएन सिंह ने परंपरागत खेती, जैविक खेती तथा रसायनों के प्रयोग से होने वाले रोगों के बारे में विस्तृत से जानकारी दी।

कॉलेज के प्रबंधतंत्र के सेक्रेटरी अरविंद मिश्रा ने जैविक खेती एवं कृषि मेले का इस क्षेत्र में महत्व को बताया तथा इस आयोजन के लिए कृषि विभाग का धन्यवाद दिया। विशिष्ट अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र इटावा के वैज्ञानिक डॉ. भूपेंद्र सिंह ने गोबर की खाद को कैसे बनाएं तथा प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती की तुलना करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती में खेतों में प्रकृतिक जीव जो जमीन में पाए जाते हैं उनको बढ़ाने के लिए जीवामृत को भूमि में मिलना होगा। जीवामृत बनाने की विधि को विस्तार से बताया तथा उसके उपयोग के लिए कहा कि इसको खड़ी फसल में छिड़काव करके या सिंचाई के साथ दे सकते हैं। उन्होंने बीजामृत को बनाने के लिए कहा कि 20 लीटर पानी, गोमूत्र, गोबर, चूना, बरगद या पीपल के पेड़ के नीचे की 50 ग्राम मिट्टी से बने बीजामृत से 100 किलोग्राम बीज का उपचार कर सकते हैं । उन्होंने केंचुए की खाद के बारे में बताया कि आज रोटावेटर की जुताई करने से केंचुए की संख्या कम होती है जो मृदा के उर्वरकता के लिए महत्वपूर्ण मित्र हैं। जीवामृत को प्रयोग करने से केंचुए की संख्या बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कीट प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रकार के कीटनाशी दवाव एवं कीटों को पहचानने के तरीके को बतलाया। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. श्याम सिंह ने उद्यान से संबंधित विभिन्न योजनाओं को बताया तथा उनसे मिलने वाली सब्सिडी को भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पर ड्रॉप मोर क्राप योजना के लाभ को विस्तृत से बताया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के डीन डॉ. अशोक कुमार पांडेय ने भूमि की उर्वरा शक्ति क्षीण होने के कारण एवं उद्यानिकी में जैविक खेती के महत्व को बताया। कार्यक्रम में डॉ. मनोज यादव ने फसल सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी तथा बीज शोध एवं बीज चुनाव में होने वाली कमियां, सावधानियां तथा उनके उपयोग की विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. नवीन अवस्थी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एमपी सिंह ने किया। कृषि विज्ञान प्रदर्शनी जैविक किसान मेला एवं पशु प्रदर्शनी के कॉलेज प्रांगण में 36 स्टाल लगाए गए जिसमें विभिन्न विभागों के विभिन्न आकर्षक केंद्र बने रहे। पादप रोग विज्ञान विभाग स्टाल में मशरूम प्रदर्शनी एवं रोगों को कैसे पहचाना जाए उसके उपकरण को दिखाकर तथा विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में प्रदर्शित किया गया। शस्य विज्ञान विभाग के स्टाल में विभिन्न प्रकार की गेहूं, जौ की प्रजातियां को किसानों को दिखाने के लिए प्रदर्शित किया गया तथा उनकी पैदावार बढ़ाने के लिए विभिन्न शस्य विज्ञान की पद्धतियों के चार्ट दिखाएं गए। उद्यान विभाग के स्टाल में विभिन्न प्रकार के फलों, आलू के प्रजातियां, विभिन्न प्रकार के उत्पाद तथा फूलों एवं भंडारण की विधि का मॉडल बनाकर प्रदर्शित किया गया।

मेले में कृषक प्रशिक्षण केंद्र, पंजाब नेशनल बैंक के द्वारा भी स्टॉल लगाया गया। कॉलेज की लाइब्रेरी का भी स्टॉल लगाया गया जिसमें विभिन्न वेद, पुराण, ग्रंथ तथा संविधान की प्रति को भी दिखाया गया।

Shot on OnePlus

Shot on OnePlus

Shot on OnePlus

PERFORMANCE OF DAIRY DEPTT. (Last 5 Year)

Year – 2018-19

(i)	Sale of Milk	7,47,149.00	
(ii)	Sale of paneer	11,363.00	
		....	758512.00
(iii)	Sale of fertilizer		61000.00
			....
			819512.00
			....

Year -2019-20

(i)	Sale of Milk	696675.00	
(ii)	Sale of Paneer	3078.00	
		....	699753.00
			....

Year -2020-21

(i)	Sale of Milk	741339.00	
(ii)	Sale of Paneer	10764.00	
(iii)	Fertilizer	74888.00	
(iv)	Received from insurance claim	51000.00	
		....	877991.00
			....

Year -2021-22

(i)	Sale of Milk	712251.00	
(ii)	Sale of Paneer	23422.00	
		....	735673.00
			....

Year – 2022-23

(i)	Sale of Milk	1042021.00	
(ii)	Sale of Paneer	117184.00	
(iii)	Sale of fertilizer	74820.00	
(iv)	Insurace claim of livestock	20000.00	
		....	1254025.00
			....

Principal
Jain College

Scanned with OKEN Scanner